राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 02 | जौनपुर गुरुवार, 14 अगस्त 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

वे चाहते हैं कि इस देश का लोकतंत्र धोखाधड़ी से चले

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस चाहती है कि गैर–भारतीय भी वोट दें। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार के आम लोग बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान से खुश हैं। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह ने एएनआई से बात करते हुए कहा कि विपक्ष चाहता है कि जो लोग देश के नागरिक नहीं हैं, वे भी वोट दें। वे चाहते हैं कि इस देश का लोकतंत्र धोखाधड़ी से चले। बिहार में किसी ने भी सर की आलोचना नहीं की। आम लोग इससे खुश हैं। इस बीच, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर चुनाव आयोग पर ष्वोट चोरीष के आरोपों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने संविधान नहीं पढ़ा है और न ही उसका सम्मान करते हैं। मीडिया से बात करते हुए, रिजिजू ने कहा, ष्राहुल गांधी ने संविधान नहीं पढ़ा है और न ही उसका सम्मान करते हैं। मेरे पास राहुल गांधी को सुधारने के लिए कोई दवा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद उन्हें होश आ जाना चाहिए।

ऑपरेशन सिन्दूर के लिए बीएसएफ के 16 कर्मी वीरता पदक से सम्मानित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अद्वितीय वीरता और पराक्रम का प्रदर्शन करने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सोलह कर्मियों को वीरता पदक से सम्मानित किया गया है। बीएसएफ, पाकिस्तान से लगी भारत की पश्चिमी सीमा की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में 7 से 10 मई तक पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। इस हमले में ऑपरेशन सिंदूर के तहत 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। इस स्वतंत्रता दिवस पर, 16 बहादुर सीमा प्रहरियों (सीमा प्रहरियों) को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उनके अदम्य साहस और अद्वितीय पराक्रम के लिए वीरता पदक से सम्मानित किया जा रहा है। बीएसएफ ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा ये पदक भारत की प्रथम रक्षा पंक्तिरू सीमा सुरक्षा बल में राष्ट्र के विश्वास और भरोसे का प्रमाण हैं। पदक विजेताओं में एक डिप्टी कमांडेंट रैंक का अधिकारी, दो सहायक कमांडेंट और एक इंस्पेक्टर

अवकाश सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि स्वतंत्रता दिवस व जन्माष्टमी पर कार्यालय व प्रेस में अवकाश रहेगा।

अतः अगला अंक 17 अगस्त 2025 को प्रकाशित होगा।

– सम्पादक

ऑपरेशन सिंदूर का रहेगा जलवा

79वां स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी लाल किले से करेंगे राष्ट्र को संबोधित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत 15 अगस्त 2025 को अपना 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस दिन दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले से जश्न–ए–आजादी का नेतृत्व करेंगे. इस साल का आयोजन नया भारत थीम पर आधारित होगा, जो राष्ट्र की प्रगति आत्मनिर्भरता और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को दर्शाएगा. ।रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और प्रतिष्ठित स्मारक की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे. स्वतंत्रता दिवस का यह समारोह एक समृद्ध, सुरक्षित और साहसिक नए भारत के निरंतर उत्थान का स्मरण करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा और प्रगति के पथ पर आगे बढ़ने के लिए एक नई ऊर्जा का संचार करेगा. ।प्रधानमंत्री के लिए सलामी गारद दल में 96 कर्मी (एक अधिकारी और थलसेना, नौसेना, वायुसेना और दिल्ली पुलिस प्रत्येक से 24 कर्मी) शामिल होंगे. इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए भारतीय वायुसेना समन्वय सेवा है. सलामी गारद (गार्ड ऑफ ऑनर) की कमान विंग कमांडर एएस सेखों संभालेंगे. प्रधानमंत्री की सलामी गारद में सेना की टुकड़ी की कमान मेजर अर्जुन सिंह, नौसेना की टुकड़ी की कमान लेफ्टिनेंट कमांडर कोमलदीप सिंह और वायु सेना की टुकड़ी की कमान स्क्वाड्रन लीडर राजन अरोड़ा संभालेंगे. दिल्ली पुलिस की टुकड़ी की कमान एडिशनल डीसीपी रोहित राजबीर सिंह संभालेंगे। सलामी गारद (गार्ड ऑफ ऑनर) का निरीक्षण करने के बाद, प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर की ओर बढ़ेंगे, जहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह उनका स्वागत करेंगे. दिल्ली क्षेत्र के जीओसी, प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्राचीर पर स्थित मंच तक ले जाएंगे। फ्लाइंग ऑफिसर रशिका शर्मा राष्ट्रीय ध्वज फहराने में प्रधानमंत्री की सहायता करेंगी. इसके साथ ही 1721 फील्ड बैटरी (सेरेमोनियल) द्वारा स्वदेशी 105 मिमी लाइट फील्ड गन से 21 तोपों की सलामी दी जाएगी, जिसका नेतृत्व मेजर पवन सिंह शेखावत करेंगे. वहीं, गन पोजिशन ऑफिसर नायब सूबेदार (तोपखाने में सहायक प्रशिक्षक) अनुतोष सरकार होंगे. राष्ट्रीय ध्वज रक्षक दल, जिसमें थलसेना, नौसेना, वायुसेना और दिल्ली पुलिस के एक–एक अधिकारी और 32 अन्य रैंक के कर्मी शामिल होंगे. कुल 128 कर्मी, प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाने के समय राष्ट्रीय सलामी देंगे. विंग कमांडर तरुण डागर इस अंतर–सेवा गार्ड और पुलिस गार्ड की कमान संभालेंगे। राष्ट्रीय ध्वज रक्षक दल में थलसेना की टुकड़ी की कमान मेजर प्रकाश सिंह, नौसेना की टुकड़ी की कमान लेफ्टिनेंट कमांडर मोहम्मद परवेज और वायुसेना की टुकड़ी की कमान स्क्वाड्रन लीडर वी.वी. शरवन संभालेंगे. दिल्ली पुलिस की टुकड़ी की कमान अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अभिमन्यु पोसवाल संभालेंगे. तिरंगे को फहराए जाने के बाद, उसे राष्ट्रीय सलामी दी जाएगी. वायुसेना का बैंड, जिसमें एक जेसीओ और 25 अन्य रैंक के कर्मी शामिल होंगे, जो राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रीय सलामी देने के दौरान राष्ट्रगान बजाएगा. जूनियर वारंट ऑफिसर एम. डेका बैंड का संचालन करेंगे. पहली बार, 11 अग्निवीर वायु संगीतकार उस बैंड का हिस्सा होंगे जो राष्ट्रगान बजाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराते ही, वायुसेना के दो एमआई–17 हेलिकॉप्टर फूलों की वर्षा करेंगे. एक राष्ट्रीय ध्वज और दूसरा ऑपरेशन सिंदूरस्य का झंडा प्रदर्शित करेगा. इन हेलीकॉप्टरों के कैप्टन विंग कमांडर विनय पूनिया और विंग कमांडर आदित्य जायसवाल होंगे. इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर में बहादुरी दिखाने वालों को भी मिलेगा सम्मान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस 2025 पर देश के वीरों और सेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा। गृह मंत्रालय ने 1,090 पुलिस, अग्निशमन, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और सुधार सेवा के कर्मियों को वीरता और सेवा पदक देने की घोषणा की है। यह सम्मान उन लोगों को मिलेगा जिन्होंने देश की सेवा में बहादुरी और समर्पण का परिचय दिया है। गृह मंत्रालय के अनुसार, कुल 233 कर्मियों को वीरता पदक प्रदान किया जाएगा। इसे मेडल ऑफ गैलंट्री भी कहा जाता है। इनमें 226 पुलिस, छह अग्निशमन और एक होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस के कर्मी शामिल हैं। वीरता पदक उन्हें दिया जाता है जिन्होंने जीवन और संपत्ति बचाने, अपराध रोकने या अपराधियों को पकड़ने में असाधारण साहस दिखाया है। इस वर्ष के पुरस्कार विजेताओं में 152 जम्मू–कश्मीर, 54 वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों, तीन पूर्वोत्तर और 24 अन्य क्षेत्रों के कर्मी शामिल हैं। कुल 99 राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक यानि प्रेसिडेंट मेडल फॉर डिस्टिंग्विस्ट सर्विस दिए जाएंगे। यह सम्मान सेवा में विशेष उत्कृष्ट रिकॉर्ड रखने वाले कर्मियों को दिया जाता है। इनमें 89 पुलिस, पांच अग्निशमन, तीन सिविल डिफेंस व होम गार्ड और दो सुधार सेवा के कर्मी शामिल हैं। इन कर्मियों ने अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा और पेशेवर उत्कृष्टता के साथ किया है। 758 कर्मियों को सराहनीय सेवा पदक यानि मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस से सम्मानित किया जाएगा। यह पदक कर्तव्य के प्रति समर्पण और संसाधनशीलता के लिए दिया जाता है। इनमें 635 पुलिस, 51 अग्निशमन, 41 सिविल डिफेंस व होम गार्ड और 31 सुधार सेवा के कर्मी शामिल हैं। इन अधिकारियों और कर्मचारियों ने वर्षों तक देश की सुरक्षा और सेवा में योगदान दिया है। जम्मू–कश्मीर, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और देश के अन्य संवेदनशील इलाकों में तैनात सुरक्षा बलों के कर्मियों को इस वर्ष विशेष मान्यता मिली है। इन क्षेत्रों में सेवा देना अत्यंत जोखिम भरा होता है, क्योंकि यहां अक्सर आतंकवादी हमले, उग्रवादी गतिविधियां और सुरक्षा चुनौतियां बनी रहती हैं।

सभी देश एवं प्रदेश तथा जनपद जौनपुर वासियों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मनोरमा मौर्या
अध्यक्ष
नगर पालिका
परिषद जौनपुर

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर देश की उपासना समाचार पत्र (डी.के.यू. लाइव) चैनल ब्यूरो चीफ अयोध्या की ओर से सभी देश एवं प्रदेश तथा अयोध्या वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सुरेन्द्र कुमार
जनपद
अयोध्या
उत्तर प्रदेश

समस्त देश वासियों को पन्द्रह अगस्त की हार्दिक शुभकामनाएं

डा. आशीष कुमार श्रीवास्तव
स.अ.प्रा.वि.कबूलपुर
प्रथम/नोडल शिक्षक
संकुल नेहरू नगर,
सिरकोनी जौनपुर

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 के शुभ अवसर पर सभी देश एवं प्रदेश तथा जनपद वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अमरेश कुमार
सिंह
खण्ड शिक्षा
अधिकारी
सिरकोनी जौनपुर

उत्तर प्रदेश एवं जनपद अयोध्या वासियों को मेरी तरफ से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

वीरेंद्र गुप्ता,
पत्रकार
जनपद अयोध्या,
उत्तर प्रदेश

समस्त देशवासियों को पन्द्रह अगस्त की हार्दिक शुभकामनाएं

डा0. सुधीर कुमार श्रीवास्तव
हरि - सावित्री होम्यो हाल
निकट - आर बी एल चिल्ड्रेन स्कूल के सामने पूरे परौती लाल वलीपुर, सुलतानपुर
फोन - 7052113086 ,9454908281
नोटः यहां पर सभी बीमारियों का इलाज किया जाता है।

सभी देश एवं प्रदेश तथा जनपद वासियों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

डा. विकास चौधरी
अधीक्षक
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,
बजरंगी चौक, वेवा
चौराहा, डुमरियागंज,
सिद्धार्थ नगर, उत्तर प्रदेश

समस्त देशवासियों प्रदेश वासियों और जनपद वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

संतोष कुमार पाडेय
उप निबंधक सदर,
जौनपुर

सभी देश एवं प्रदेश तथा जनपद वासियों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इंदु प्रकाश यादव
जिला
महामंत्री अटेवा
जौनपुर

साल्वेशन परिवार की तरफ से आप सभी को कारगिल विजय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

SALVATION Hospital
साल्वेशन हॉस्पिटल
24/7 Emergency Services
A Unit of Salvation Foundation Trust
कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर

प्रतीक श्रीवास्तव (मैनेजिंग डायरेक्टर) मो. 7742913348
डॉ. विवेक श्रीवास्तव M.D. (Physician) F.G.O. (APOLLO HOSPITAL) P.G.D.S. (M.I.M.A.)
डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव बी.ए.एम.एस. स्त्री रोग विशेषज्ञ
डॉ. संदीप राय एमबीबीएस, एमडी डीएम (गैस्ट्रोएंटरोलॉजी) जीबी पंत हॉस्पिटल (न्यू दिल्ली)
डॉ. अमित कुमार गौरव एमबीबीएस, एमडी डीएम (कार्डियोलॉजी) आईएमएस बीएचयू
डॉ. संतोष कुमार मौर्य एमबीबीएस, एमडी डीएम (नेफ्रोलॉजिस्ट) प्रयागराज

सुविधाएं
• ICU भर्ती उपलब्ध
• वेन्टीलेटर-बाईपैप की सुविधा
• अल्ट्रासाउण्ड
• डिजिटल एक्स-रे
• पैथोलॉजी / ECG

आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत कार्ड धारकों का निःशुल्क इलाज व ऑपरेशन किया जाता है।
आयुष्मान कार्ड धारकों को निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध है।
दांतों की सम्पूर्ण जाँच उपलब्ध है। आँखों की सम्पूर्ण जाँच व ऑपरेशन भी होता है।
TPA/Insurance Companies के द्वारा कैशलेश की सुविधा उपलब्ध है।
नोट- डी.एम. गेस्ट्रो, कार्डियो, नेफ्रो को दिखाने के लिए पहले से नंबर लगायें।
परामर्श एवं सम्पर्क करें- 9138828282, 8686867547, 7742913348
www.thesalvationhospital.com salvationhospital@gmail.com salvationhospital

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र 'देश की उपासना परिवार' की ओर से सभी जौनपुर जनपदवासियों एवं प्रदेश वासियों तथा देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

सम्पादक

संपादकीय

राहत का फैसला

सुप्रीमकोर्ट ने फिलहाल दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के उन वाहन मालिकों को राहत दी है, जिनके वाहनों के खिलाफ पहले कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। दरअसल, प्रदूषण संकट के मद्देनजर इन क्षेत्रों में दस वर्ष से अधिक के डीजल व पंद्रह वर्ष से अधिक के पेट्रोल वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने का निर्णय हुआ था। मंगलवार को शीर्ष अदालत ने ऐसे वाहनों के मालिकों को राहत देते हुए अधिकारियों को दंडात्मक कार्रवाई रोकने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट एनजीटी के निर्देश को बरकरार रखने वाले 29 अक्तूबर 2018 के फैसले को वापस लेने की मांग से संबंधित याचिका पर विचार कर रहा था। दरअसल, एनजीटी के आदेश के अनुरूप ही वाहनों को प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए गए थे। एनजीटी ने आदेशों के अनुपालन न करने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई के निर्देश दिए थे। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल का कोर्ट से आग्रह था कि दंडात्मक कदम रोकने के आदेश पर विचार किया जाए। कोर्ट ने इस बाबत चार सप्ताह में जवाब देने की बात कही है। दरअसल, दिल्ली सरकार की भी ऐसी मंशा थी, जिसने प्रतिबंध को अदालत में चुनौती दी थी। वास्तव में सत्ताधीशों को आशंका थी कि इस फैसले का व्यापक विरोध हो सकता है क्योंकि लोगों को औने–पौने दामों में महंगे वाहन बेचने को बाध्य होना पड़ता। जिससे उपजा आक्रोश ट्रिपल इंजन सरकार के लिये राजनीतिक रूप से नुकसानदायक साबित हो सकता है। कोर्ट का यह भी कहना था कि केंद्र सरकार व गुणवत्ता प्रबंधन आयोग गंभीर अध्ययन करें ताकि अवधि आधारित प्रतिबंधों के मुकाबले उत्सर्जन आधारित मानदंडों का पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन हो सके। दरअसल, आम मध्यमवर्गीय परिवारों में कार का इस्तेमाल कम होता है और वे अपनी आर्थिक सीमाओं के चलते वाहनों को लंबी अवधि तक बड़े कायदे से रखते हैं। उनका वाहन अधिक वर्षों तक चलता है लेकिन उसके उपयोग की अवधि कम होती है। निस्संदेह, एक आम भारतीय के लिए कार आत्मीय अहसासों का प्रतीक भी है, जिसे वह आमतौर पर जीवन में एक बार ही खरीद पाता है। ऐसे में आत्मीय अहसासों से जुड़ी कार को औने–पौने दामों में बेचना उसके लिये कष्टकारी है। वैसे भी आजकल तमाम लोग भीड़–भाड़ से बचने के लिये टैक्सी का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में वाहन लंबे समय तक प्रदूषण रहित जीवन पा सकता है। दरअसल, दिल्ली सरकार का भी मानना था कि वाहनों की समय सीमा संबंधी नीति लागू करते वक्त इसके निर्माण वर्ष के बजाय वास्तविक इस्तेमाल के मानक पर विचार करें। दरअसल, दिल्ली सरकार ने जनाक्रोश के चलते इसे संवेदनशील विषय मानकर अपने नजरिये में बदलाव किया। पहले जारी निर्देश में कहा गया था कि ऐसे वाहनों को एक जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं दिया जाएगा, चाहे वे किसी भी राज्य में पंजीकृत हों। लेकिन व्यावहारिक दिक्कतों व लोगों के रोष के मद्देनजर इसे क्रियान्वित नहीं किया जा सका था। सरकार ने महसूस किया कि फैसला प्रतिगामी साबित हो सकता है। यह भी कि कदम समय से पहले उठा लिया गया। इस फैसले के क्रियान्वयन से जुड़ी परिचालनगत चुनौतियां भी सामने आई। जनाक्रोश के चलते राज्य सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से इस कार्रवाई पर रोक लगाने का आग्रह किया।

बायोमेट्रिक वोटर कार्ड में विवादों का हल

मधव

पिछले एक दशक में, बायोमेट्रिक मतदाता पंजीकरण (बीवीआर) जैसी तकनीक जटिल चुनावी चुनौतियों और जालसाजी का सामना करने के लिए रामबाण साबित हुई है। 'बीवीआर' मतदाता की विशिष्ट शारीरिक विशेषताओं का विश्लेषण करता है, ताकि उनकी पहचान और मतदान के लिए उनकी पात्रता की पुष्टि की जा सके। पश्चिमी अफ्रीकी देश गाम्बिया, मैं घूमने नहीं, बच्चियों का जबरन खतना किये जाने पर रिपोर्टिंग के लिए गया था। गाम्बिया मेनलैंड अफ्रीका का सबसे छोटा देश है। इसकी

उत्तरी, पूर्वी, और दक्षिणी सीमा सेनेगल से मिलती है। लगभग 28 लाख की आबादी वाले इस देश की एक–तिहाई जनसंख्या अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा 1.25 डॉलर प्रतिदिन से नीचे रहती है। दिलो–दिमाग में बैठा हुआ था, कि यह अफ्रीकी देश काफी पिछड़ा हुआ होगा। लेकिन यह भ्रम वहां की पत्रकार फातो कमारा से मिलने के बाद टूट गया। उन्हीं से जानकारी मिली कि गाम्बिया दुनिया का पहला देश है, जहां मतदाताओं के लिए बायोमेट्रिक कार्ड 2009 में इश्यू किया गया था। सितम्बर, 2010 में भारत ने आधार कार्ड जारी किया था, जिसे वोटर कार्ड से भी पहचान के वास्ते जोड़ा जाने लगा। लेकिन यह अनिवार्य नहीं है। चुनाव आयोग ने नागरिकों के लिए अपने आधार नंबर को अपने मतदाता पहचान पत्र (जिसे चुनावी फोटो पहचान पत्र या ईपीआईसी भी कहा जाता है) से जोड़ना स्वैच्छिक बना दिया है। मतदाताओं को अपने कार्ड लिंक करते समय आधार प्रमाणीकरण के लिए अपनी सहमति फॉर्म 6–बी में देना आवश्यक है। एक बार सहमति दे देने के बाद उसे वापस लेने का कोई प्रावधान नहीं है। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया है, कि आधार कार्ड होना नागरिकता का प्रमाणीकरण नहीं है। पूरा देश जिस तरह नागरिकता को लेकर बहस में उलझा है, वह भारत में वोटर पहचानपत्र की वैधता पर सवाल खड़ा करता है। क्या भारत में जारी वोटर आई कार्ड दोषपूर्ण है? और यदि है, तो उसे कैसे दुरुस्त किया जा सकता है? कई देश नागरिकता, या उससे संबंधित पहचान के उद्देश्यों के लिए बायोमेट्रिक कार्ड का उपयोग करते हैं। अल्बानिया, ब्राजील, नीदरलैंड और सऊदी अरब ऐसे मुल्क हैं, जिनके राष्ट्रीय बायोमेट्रिक पहचान पत्र यात्रा दस्तावेजों के लिए अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के मानक का पूरी तरह से अनुपालन करते हैं। इसके अतिरिक्त, नॉर्वे, आइसलैंड और लिश्टेन्टाइन जैसे देश, यूरोपीय संघ के मानकों का पालन करने वाले बायोमेट्रिक पहचान पत्र जारी करते हैं। कुछ देश अपनी व्यापक राष्ट्रीय पहचान प्रणालियों में बायोमेट्रिक्स का उपयोग करते हैं, जिन्हें नागरिकता या उनकी रिहाइश से जोड़ा जा सकता है। यूरोपीय संघ के सदस्य देश बायोमेट्रिक पहचान पत्र जारी करने के लिए बाध्य हैं, और इन्हें आमतौर पर ईयू और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के भीतर वैध यात्रा दस्तावेजों के रूप में स्वीकार किया जाता है। यूरोपीय आर्थिक क्षेत्र (ईईए) के सदस्य देशों, जिनमें नॉर्वे, आइसलैंड और ऑस्ट्रिया व स्विट्जरलैंड के बीच छोटा सा देश लिश्टेन्टाइन शामिल हैं, उन्हें भी यूरोपीय संघ के नियमों के अनुरूप बायोमेट्रिक पहचान पत्र जारी करना आवश्यक है। कई देशों ने अनिवार्य राष्ट्रीय पहचान प्रणालियां लागू की हैं, जिनमें अक्सर विभिन्न पहचान उद्देश्यों के लिए बायोमेट्रिक डेटा, जैसे उंगलियों के निशान या चेहरे की पहचान, शामिल होता है। इनमें अर्जेंटीना, बेल्जियम, कोलंबिया, जर्मनी, इटली, पेरू और स्पेन जैसे देश शामिल हैं। अल्बानिया, ब्राजील, नीदरलैंड, सऊदी अरब के राष्ट्रीय बायोमेट्रिक पहचान पत्र, यात्रा दस्तावेज माने जाते हैं। पश्चिमी अफ्रीकी देश गाम्बिया ने बायोमेट्रिक पहचान पत्र, 'गैम्बीस' लागू किए हैं, जो यात्रा के साथ निवास परमिट भी है। तंजानिया भी, गाम्बिया की तरह चुनावों के लिए बायोमेट्रिक मतदाता पंजीकरण को फुलप्रूफ मानता है। पोलैंड अपनी राष्ट्रीय पहचान प्रणाली में फिंगरप्रिंट बायोमेट्रिक्स का उपयोग करता है। भारत केवल आधार प्रमाणीकरण के लिए बायोमेट्रिक्स का उपयोग करता है, जो बैंकों, कोर्ट और विभिन्न उपक्रमों में केवाईसी या रजिस्ट्रेशन के काम आते हैं। राष्ट्रमंडल पर्यवेक्षक समूह ने सिफारिश की है कि राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) जैसी फोटो पहचान प्रक्रिया का उपयोग मतदाता सूची की सटीकता में उल्लेखनीय सुधार कर सकता है और चुनाव में आम विश्वास बढ़ा सकता है। पिछले एक दशक में, बायोमेट्रिक मतदाता पंजीकरण (बीवीआर) जैसी तकनीक जटिल चुनावी चुनौतियों और जालसाजी का सामना करने के लिए रामबाण साबित हुई है। 'बीवीआर' मतदाता की विशिष्ट शारीरिक विशेषताओं का विश्लेषण करता है, ताकि उनकी पहचान और मतदान के लिए उनकी पात्रता की पुष्टि की जा सके। यह तकनीक किसी व्यक्ति की पहचान की चोरी, एक से अधिक मतदान, धोखाधड़ी, और हेरफेर के अन्य तरीकों को टारगेट करती है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है आंखों की बायोमेट्रिक। आंखों की रेटिना में हेराफेरी अब तक किसी तकनीक के जरिये सम्भव नहीं हुआ है। बायोमेट्रिक तकनीक में व्यवहार संबंधी विशेषताओं का भी विश्लेषण, व्यक्ति की आवाज, की–स्ट्रोक या हस्तलेखन शामिल हैं। अक्सर, स्कैन किए गए हस्ताक्षर मतदाता की बायोमेट्रिक प्रोफाइल का हिस्सा होते हैं। सभी बायोमेट्रिक डेटा को पहले एक कैमरे या सेंसर द्वारा एक छवि के रूप में कैप्चर किया जाता है। फिर छवि को एक बायोमेट्रिक टेम्पलेट के जरिये डेटाबेस में संगृहीत किया जाता है। इसे प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतदाता पहचान पत्र में जोड़ा जा सकता है। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के अनुसार, सर्वेक्षण किए गए 130 देशों में से 25 प्रतिशत देश मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की पहचान के लिए बायोमेट्रिक जानकारी का उपयोग करते हैं। कई मामलों में मैन्युअल सत्यापन शामिल होता है। जैसे कि एक मतदानकर्मी, मतदाता सूची में किसी मतदाता की तस्वीर के आधार पर उसकी उपस्थिति की जांच करता है। बीवीआर का उपयोग मुख्य रूप से अफ्रीका, पश्चिम एशिया, और लैटिन अमेरिका में होना शुरू हो गया है। मोरक्को, कोलंबिया, पेरू, भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान केवल फिंगरप्रिंट स्कैन करते हैं। कई देश दोनों एकत्र करते हैं, जैसे मेक्सिको, नाइजीरिया और मोजाम्बिक। ब्राजील जैसे अन्य देश तस्वीरों और फिंगरप्रिंट के अलावा हस्ताक्षर भी एकत्र करते हैं। ऐसा भी नहीं, कि दुनिया के सारे देश बायोमेट्रिक स्वीकार कर लें। कुछ देशों में बायोमेट्रिक डाटा, सांस्कृतिक मान्यताओं और प्रथाओं का उल्लंघन कर सकता है।

प्रतिशोध की राजनीति और चुनावी अस्थिरता

आज बांग्लादेश आर्थिक दबाव, युवाओं के गुस्से, राजनीतिक अविश्वास, भू–राजनीतिक अनिश्चितता और पड़ोसी भारत के साथ तनावपूर्ण रिश्तों के बीच खड़ा है। यूनुस ने कुछ सुधारों की शुरुआत की, लेकिन आईएमएफ–समर्थित कठोर नीतियों और धीमी राजनीतिक संवाद प्रक्रिया ने हालात को स्थिर होने के बजाय और जटिल बना दिया है। आठ अगस्त, 2024 को, जब नोबेल शांति पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश का अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया गया, तब देश की बिखरी हुई संस्थाओं और हिंसक सड़कों के बीच यह एक ऐतिहासिक प्रयोग था। सेना और नागरिक समाज दोनों ने उम्मीद जताई कि उनकी नैतिक छवि और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा राजनीति के दलदल से देश को बाहर निकाल पाएंगी। लेकिन एक साल बाद, तस्वीर उम्मीद से कहीं अधिक धुंधली और तनावपूर्ण हो गई है। आज बांग्लादेश आर्थिक दबाव, युवाओं के गुस्से, राजनीतिक अविश्वास, भू–राजनीतिक अनिश्चितता और पड़ोसी भारत के साथ तनावपूर्ण रिश्तों के बीच खड़ा है। यूनुस ने कुछ सुधारों की शुरुआत की, लेकिन आईएमएफ–समर्थित कठोर नीतियों और धीमी राजनीतिक संवाद प्रक्रिया ने हालात को स्थिर होने के बजाय और जटिल बना दिया है। यूनुस सरकार का सबसे बड़ा दांव आईएमएफ पैकेज रहा, जिसने मुद्रा को स्थिर करने में मदद की। लेकिन इसकी कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ रही हैकृ सब्सिडी में कटौती, ईंधन और खाद्य पदार्थों के दामों में वृद्धि, और रोजगार के अवसरों में ठहराव के रूप में। तैयार–पोशाक निर्यात क्षेत्र, जो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, वैश्विक मांग में उतार–चढ़ाव और घरेलू श्रमिक अशांति से जूझ रहा है। कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यूनुस ने राजकोषीय अनुशासन लागू करने में तो सखध्ती दिखाई, लेकिन रोजगार सृजन और छोटे उद्योगों के पुनर्जीवन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। नतीजा यह है कि महंगाई कम होने के बावजूद जनता को राहत का अहसास नहीं हो रहा। ग्रामीण इलाकों में कृषि लागत बढ़ गई है और शहरी क्षेत्रों में रोजगार संकट गहराता जा रहा है, जिससे आर्थिक असंतोष और बढ़ गया है। शुरुआत में, यूनुस का सबसे बड़ा सामाजिक पूंजी बैंक युवा वर्ग था, जिसने बदलाव की उम्मीद में उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया था। लेकिन एक साल बाद, बेरोजगारी और अवसरों की कमी के कारण वही युवा सड़क पर हैं। विश्वविद्यालय परिसरों से लेकर ढाका की सड़कों तक, छात्र संगठनों ने सरकार की नीतियों पर खुलकर नाराजगी जताई है। कई विरोधा प्रदर्शन हिंसक हो चुके हैं, जिससे राजनीतिक माहौल और अस्थिर हो गया है। युवाओं की यह अधीरता अगर चुनावी वर्ष में हिंसा में बदल गई तो न केवल यूनुस की साख, बल्कि पूरे संक्रमणकालीन लोकतांत्रिक प्रयोग को भी गंभीर खतरा हो सकता है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि युवाओं का यह गुस्सा सोशल मीडिया के माध्यम से तेजी से फैल रहा है और इसकी क्षमता है कि वह 2026 के चुनाव को प्रभावित कर सकता है। भारत ने चुनावी उथल–पुथल के बाद अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को शरण देकर एक मानवीय और रणनीतिक फैसला लिया, लेकिन इसका असर बांग्लादेश की घरेलू राजनीति पर उल्टा पड़ा। आम बांग्लादेशी, जो हसीना को एक सत्तावादी और अलोकप्रिय नेता मानते हैं, इस कदम को स्वीकार नहीं कर सके। यूनुस ने सार्वजनिक रूप से भारत के इस निर्णय की आलोचना तो नहीं की, लेकिन उनके हालिया कदमकृचीन के साथ नजदीकी, निवेश परियोजनाओं पर नई वार्ता और बीजिंग समर्थित ढांचागत योजनाओं को प्राथमिकताकृने संकेत दिया है कि वे एक नई कूटनीतिक धुरी स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।

.... विविध ....

पेशेवर सफलता की नींव सॉफ्ट स्किल्स

अगर आपमें सॉफ्ट स्किल्स की समझ है और कार्यस्थल पर उन गुणों को उपयोग में लाते हैं तो यह कैरियर में सफलता के लिए एक तरह से गारंटी ही मानी जाती है। नियुक्ति या प्रोमोशन के लिए केवल डिग्री या टेक्निकल स्किल्स ही नहीं होती बल्कि सॉफ्ट स्किल्स भी बड़े काम की हैं। कैरियर एक्सपर्ट की मानें तो सॉफ्ट स्किल्स ही तरक्की

में असली गेमचेंजर हैं। यदि आप मेहनती हैं, आपको अपने क्षेत्र का ज्ञान है, फिर भी अगर आपको अपने कैरियर में तरक्की नहीं मिल रही, इसका मतलब है आपमें अपने कार्यक्षेत्र के लिए जरूरी सॉफ्ट स्किल्स की कमी है। वास्तव में तरक्की की गारंटी केवल डिग्री या टेक्निकल स्किल्स भर नहीं होती, सॉफ्ट स्किल्स भी बहुत महत्वपूर्ण हो चुकी हैं। कैरियर एक्सपर्ट की मानें तो सॉफ्ट स्किल्स ही तरक्की के मायनों में असली गेमचेंजर साबित होती हैं। ये चुपचाप पेशेवर सफलता की नींव रखती है। जानिये प्रमुख पांच सॉफ्ट स्किल्स के बारे में –

प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स

अगर आप अपने दफ्तर में जरा–जरा सी चुनौती आने पर घबरा जाते हैं तो आपका प्रमोशन नहीं होने वाला। इसके विपरीत अगर कार्यस्थल में समस्या आने पर घबराने की बजाय तुरत फुरत समाधान खोज लेते हैं, तो चाहे वह समाधान कोई और ही करे, लेकिन आपको समस्या सुलझाने वाला पेशेवर समझा जायेगा। समस्या को लेकर एक मनोविज्ञान होता है कि ज्यादातर लोग चुनौती आने पर परेशान हो जाते हैं। जो लोग समस्या के समय धीरज बनाये रखते हैं, उन्हें महत्वपूर्ण माना जाता है और ऐसे लोगों की कैरियर में तरक्की होना तय होता है। क्योंकि जो लोग जटिल स्थितियों में सरल रास्ता निकाल लेते हैं वे जहां काम करते हैं, वहां उनको महत्वपूर्ण शख्स गिना जाता है। वे कंपनी में रिलायबल एसेट समझे जाते हैं व उनका प्रमोशन होता रहता है।

अनुकूलनशीलता

अनुकूलता या एडाप्टेबिलिटी एक ऐसी सॉफ्ट स्किल है जो हर उस शख्स में होती है, जो अपने कैरियर में कामयाब होता है। क्योंकि कामकाजी जीवन में कोई न कोई बदलाव या कठिनाई आपके सामने आती ही रहती है। मसलन कभी नई टेक्नोलॉजी, कभी नई पॉलिसी तो कभी–कभी कंपनी की नयी मैनेजमेंट। ये सभी चीजें कैरियर में चुनौती की तरह होती हैं, जो व्यक्ति अपने कैरियर में बदलते समय के हिसाब से बदली हुई तकनीक में आनन फानन में दक्षता हासिल कर लेता है, कंपनी की नई पॉलिसी में जल्द से जल्द खुद को एडजस्ट कर लेता है, हरेक टीम से तालमेल बिठा लेता है और नये वातावरण को जल्द स्वीकार कर लेता है, कैरियर में उसकी तरक्की नहीं रुक सकती।

नेतृत्व कौशल

अगर आप अपने कार्यस्थल में किसी महत्वपूर्ण पद पर हैं, तब तो ये बहुत जरूरी स्किल है, जो आपमें होनी ही चाहिए। पर अगर आप किसी महत्वपूर्ण पद पर नहीं हैं, इसके बावजूद आपमें लीडरशिप की अच्छी क्वालिटी है, तो आप बिना महत्वपूर्ण पद पर होते हुए भी कंपनी के लिए और विशेषकर अपनी टीम के लिए, , महत्वपूर्ण हो जाते हैं। ऐसे लोग खास पद के बिना भी अपने नेतृत्व कौशल की बदौलत सम्मान हासिल कर लेते हैं। नेतृत्व कौशल खास गुण है, जो अगर आपमें होता है, तो चाहे भले आप खुद काम न करते हों, लेकिन आप दूसरों को मोटिवेट करके वातावरण को बेहद उपयोगी बना देते हैं। कंपनियां ऐसे लोगों को अपने यहां हर हाल में रखना चाहती हैं, जो अपनी उपस्थिति से कंपनी के तमाम लोगों को मोटिवेट कर सकें और मौका पड़ने पर किसी बड़े टारगेट की जिम्मेदारी ले सकें। ऐसे नेतृत्व कुशल लोगों का अपने कैरियर में सफल होना तय होता है। क्योंकि ये लोग तनाव या संकट के समय अपना संयम नहीं खोते, कूल बने रहते हैं, साथ ही उनकी उपस्थिति भी दूसरों के लिए मार्गदर्शन का काम करती है। इसलिए लीडरशिप की सॉफ्ट स्किल्स का होना कैरियर में सफलता की गारंटी है।

बेहतर कम्युनिकेशन की कला

सॉफ्ट स्किल्स में कम्युनिकेशन स्किल्स भी एक महत्वपूर्ण स्किल है। अगर आप आत्मविश्वास से भरे हुए हैं और प्रभावशाली ढंग से बोलने की कला जानते हैं तो यह स्थिति आपको समय से पहले ही न सिर्फ प्रमोशन की गारंटी देती है बल्कि यह सॉफ्ट स्किल्स आपको ऊंचे पायदान तक ले जाती है। ज्यादातर सफलताएं कम्युनिकेशन स्किल्स का ही नतीजा होती हैं। खास बात यह कि दूसरे की बात ध्यान से सुनना बहुत बड़ी और आकर्षक कला है। अगर आप बॉस नहीं हैं, टीम का हिस्सा भर ही हैं तो भी आप संवाद कौशल से बॉस व सहयोगियों को प्रभावित कर सकते हैं।

टाइम मैनेजमेंट

जीवन में टाइम मैनेजमेंट हर समय बहुत जरूरी और संवेदनशील होता है। अगर आप तय समय के भीतर ही अपने काम को सही ढंग से निपटाते हैं, तो मैनेजमेंट की नजरों में आप बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति होते हैं। क्योंकि आप न केवल कम समय में ज्यादा और मेहनत से काम करते हैं बल्कि कार्यस्थल में सहकर्मियों के लिए एक सकारात्मक मोटिवेशन का भी काम करते हैं।

दंत चिकित्सा में कैरियर के साथ देश सेवा भी

जो दंत चिकित्सक पेशेवर सफलता के साथ देश की सेवा का भी जज्बा रखते हैं उनके लिए भारतीय डेंटल कॉर्प्स में भर्ती एक स्वर्णिम अवसर है। भारतीय सेना के डेंटल कॉर्प्स ने वर्ष 2025 के लिए शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) के तहत दंत चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती हेतु अधिसूचना जारी की है। आवेदन के लिए योग्यताओं में बीडीएस या एमडीएस डिग्री, नीट एमडीएस–2025 स्कोर तथा एक वर्ष की रोटेटरी इंटर्नशिप शामिल है। भारतीय सेना में सेवा केवल हथियारों और युद्ध कौशल तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें चिकित्सा और दंत चिकित्सा जैसे विशिष्ट क्षेत्रों के लिए भी सुनहरे अवसर उपलब्ध हैं। इसी क्रम में, भारतीय सेना के डेंटल कॉर्प्स ने वर्ष 2025 के लिए शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) के अंतर्गत दंत चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती हेतु अधिसूचना जारी की है। वैसे तो आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज , पुणे देश की सेना के लिए चिकित्सक और अन्य मेडिकल स्टाफ तैयार करने की जिम्मेदारी निभाता है। परंतु देश के हर युवा को अवसर प्राप्त हो सके, इसके लिए यह ओपन भर्ती की जाती हैं। यह भर्ती न केवल एक प्रतिष्ठित कैरियर विकल्प है, बल्कि राष्ट्रसेवा का अनूठा माध्यम भी है। आर्मी डेंटल कॉर्प्स, आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज (एफएमएस) के अधीन आता है ।

पदों की संख्या और आवेदन तिथि

इस वर्ष कुल 30 पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन प्रक्रिया आगामी 18 अगस्त से प्रारंभ होकर 17 सितंबर 2025 तक चलेगी। सभी आवेदनों को केवल ऑनलाइन माध्यम से, अधिकृत पोर्टल के जरिये जमा करना होगा।

योग्यता और आवश्यक शर्तें

आवेदक के पास बीडीएस या एमडीएस डिग्री होनी चाहिए, जो भारतीय दंत परिषद (डीसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से प्राप्त हो। न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक और एक वर्ष की अनिवार्य रोटेटरी इंटर्नशिप का सफल समापन आवश्यक है। साथ ही, उम्मीदवार का नीट एमडीएस–2025 परीक्षा में सम्मिलित होना और स्कोर कार्ड प्रस्तुत करना अनिवार्य है। आयु सीमा 31 दिसंबर 2025 तक अधिकतम 45 वर्ष निर्धारित है।

चयन प्रक्रिया

आवेदन के बाद योग्य उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। जिसमें पहला चरण व्यक्तिगत साक्षात्कार का होता है। सिर्फ शॉर्टलिस्टेड उम्मीदवारों का इंटरव्यू आर्मी डेंटल सेंटर या चयन समिति द्वारा आयोजित किया जाता है। इसमें उम्मीदवार की पेशेवर क्षमता, संप्रेषण कौशल, नेतृत्व गुणवत्ता और सेना में सेवा की उपयुक्तता का आकलन किया जाता है। उसके उपरांत उम्मीदवार को सेना के निर्दिष्ट अस्पतालों में विस्तृत मेडिकल परीक्षा से गुजरना होता हैं। इसमें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, दृष्टि, वजन–ऊंचाई मापदंड आदि जांचे जाते हैं । नीट एमडीएस स्कोर, इंटरव्यू परिणाम और मेडिकल फिटनेस के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाती है। मेरिट सूची में सिलेक्ट उम्मीदवारों को शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत सेना में शामिल किया जाता है।

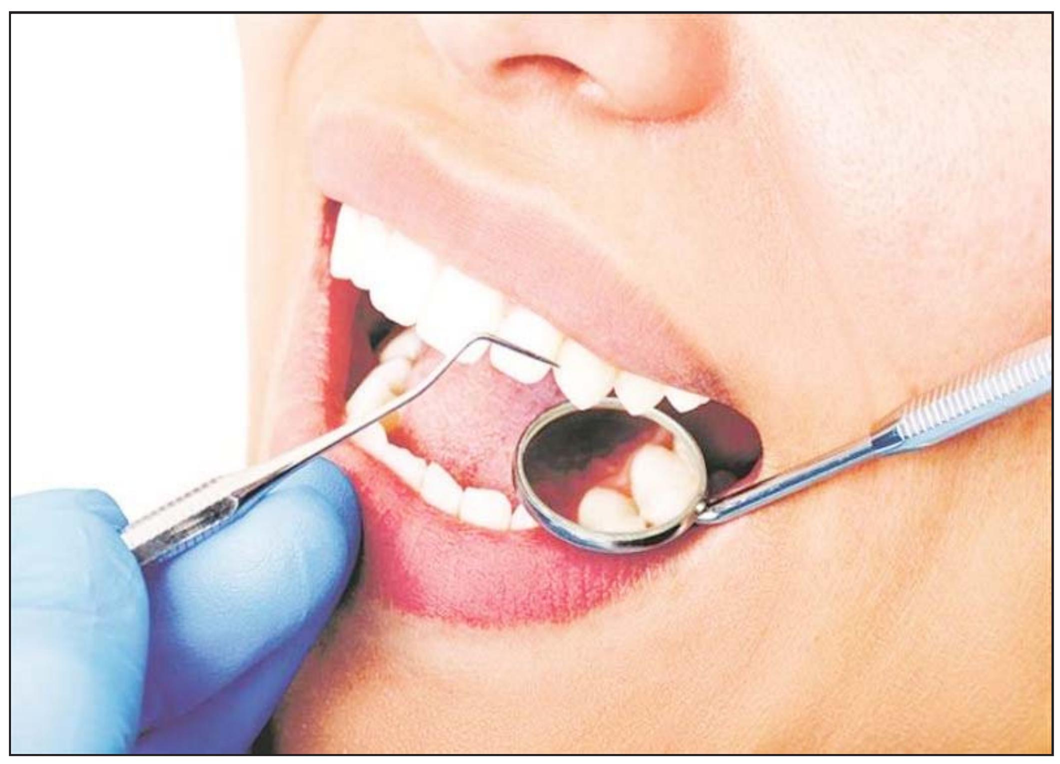

प्रशिक्षण और कमीशन

चयनित उम्मीदवारों को सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद कैप्टन के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है और वे आरक्षित डेंटल ऑफिसर के रूप में कार्यभार ग्रहण करते हैं ।

ऐसे करें आवेदन

आधिकारिक पोर्टल या डीजीए एमएफएस के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा ।आवेदन के दौरान नीट एमडीएस–2025 स्कोर, पंजीकरण, शैक्षणिक प्रमाणपत्र, उम्र, और इंटर्नशिप दस्तावेज आदि अपलोड करना अनिवार्य है।

वेतनमान और सेवा लाभ

चयनित अधिकारियों को वेतनमान लेवल–10 (लगभग /56,100 – /1,77,500 प्रतिमाह) के अंतर्गत मिलेगा, साथ ही सेना के विशेष भत्ते, रियायती आवास, चिकित्सा सुविधा और अन्य सैन्य लाभ भी प्रदान किए जाएंगे।

भारतीय डेंटल कॉर्प्स में भर्ती उन दंत चिकित्सकों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है जो अपने पेशे के साथ देश की सेवा का भी सपना देखते हैं। यह केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि गर्व और जिम्मेदारी से जुड़ा जीवन है। योग्य उम्मीदवारों को चाहिए कि वे निर्धारित समय सीमा में आवेदन करें और इस प्रतिष्ठित सेवा के माध्यम से राष्ट्र सेवा में शानदार योगदान देने का अवसर प्राप्त करें।

लखनऊ में देर रात हुई मूसलाधार बरसात स्कूल-कॉलेज हुए बंद

लखनऊ, (संवाददाता)। मौसम विभाग का कहना है कि बृहस्पतिवार से मानसूनी बारिश पश्चिमी यूपी का

रुख करेगी। पश्चिमी यूपी के सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर और बिजनौर में बृहस्पतिवार के लिए भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 19 अन्य जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। साथ ही 36 जिलों में गरज–चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी है। बुधवार को तराई के महाराजगंज, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर व आसपास के इलाकों में कहीं मध्यम तो कहीं भारी बारिश हुई। सिद्धार्थ नगर में सर्वाधिक 77 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र अमौसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि बुधवार पूर्वी यूपी और तराई में बारिश के बाद पश्चिमी यूपी में 14 व 15 अगस्त को अच्छी बारिश के संकेत हैं। बुधवार की देर रात हुई भारी बारिश के चहते लखनऊ शहर के स्कूलों को बंद कर दिया गया। सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में पहले ही 14 अगस्त को चेहल्लुम का अवकाश घोषित है। लखनऊ जिलाधिकारी विशाख जी द्वारा जारी आदेश में एक से लेकर 12वीं तक के सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया है। यह आदेश सभी प्रकार के बोर्ड पर लागू करने की बात कही है। लखीमपुर खीरी, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कासगंज, मैनपुरी, इटावा, औरैया, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में। बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, कासगंज, एटा, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में।

हजरतगंज मेट्रो स्टेशन पर होगी घर–घर राधा–कान्हा की धूम

लखनऊ, (संवाददाता)। 'घर–घर कान्हा–राधा' के आयोजन के इंतजार की घड़ियां खत्म हुईं। अमर उजाला व उत्तर प्रदेश मेट्रो कॉर्पोरेशन लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में बृहस्पतिवार को हजरतगंज मेट्रो स्टेशन पर यह आयोजन होगा। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पंजीकरण सुबह 10रू30 बजे शुरू हो गया। प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। यदि आपने अब तक पंजीकरण नहीं कराया तो चिंता की बात नहीं। ऑन द स्पॉट भी पंजीकरण कराया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले हजरतगंज मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर–1 से प्रवेश कर सकेंगे। हजरतगंज में रॉयल कैफे की ओर से गेट नंबर–1 का प्रवेश द्वार है। राधा–कृष्ण की पांच जोड़ियों के साथ ही पांच कृष्ण व पांच राधा को अलग–अलग पुरस्कृत किया जाएगा।

योगी सरकार की तारीफ करने वाली विधायक पूजा पाल सपा से निष्कासित

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी की बागी विधायक पूजा पॉल पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। अब वह सपा के किसी भी कार्यक्रम में भाग नहीं ले सकेंगी। बता दें कि विधायक पूजा पाल ने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सीएम योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की थी। उन्होंने एक बयान में कहा था कि अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति से उन्हें भी न्याय मिला है। उन्होंने कहा था कि अतीक अहमद ने मेरे पति की हत्या की थी और योगी सरकार की अपराधों के प्रति नीति के कारण उनकी तरह प्रयागराज की कई महिलाओं को न्याय मिला। बताया जाता है कि सपा नेता उनके इस बयान से असहज थे क्योंकि वो प्रदेश में कानून व्यवस्था के मुद्दे पर योगी सरकार को घेरने का काम करते हैं। यूपी के मानसून सत्र में भी नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए और कहा कि अपराधियों का जाति और धर्म देखकर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षकों के तबादले को लेकर बदली पॉलिसी, अगले साल से एडेड कॉलेजों में होगे सिर्फ ऑनलाइन ट्रांसफर

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों के इस साल फंसे ऑफलाइन तबादलों के बीच शासन ने अगले साल 2026–27 में सिर्फ ऑनलाइन तबादला करने का निर्णय लिया है। शासन ने इसके लिए विस्तृत दिशा–निर्देश जारी करने के साथ ही आवश्यक मानक व वरीयता भी तय कर दी है। माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से जारी शासनादेश में कहा गया है कि सत्र 2026–27 में एडेड हाईस्कूल व इंटर कॉलेजों में शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों का तबादला ऑनलाइन किया जाएगा। इसके लिए शिक्षक वांछित जिले के विद्यालय में ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इन विद्यालयों में खाली पदों का ब्योरा वेबसाइट पर दिया जाएगा। उन्होंने कहा है

कि शिक्षक वरीयता क्रम में पांच खाली स्थान वाले विद्यालयों का चयन कर सकेंगे। तबादले के लिए जिन शिक्षकों के पति–पत्नी सेना या अर्द्धसैनिक बल में हैं, नक्सल प्रभावित क्षेत्र में तैनात हैं, कैंसर आदि गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, पति–पत्नी सरकारी नौकरी में हैं और अलग–अलग जिले में तैनात हैं, जिनकी आयु 31 मार्च को 58 साल पूरी हो चुकी है, उनको वरीयता दी जाएगी। एक से अधिक आवेदकों का गुणांक समान होने पर अधिकतम आयु वाले को वरीयता दी जाएगी। महानिदेशक स्कूल शिक्षा को दिए निर्देश में अपर मुख्य सचिव ने यह भी कहा है कि किसी भी संस्था में कार्यरत शिक्षकों का 20 फीसदी की सीमा तक ही तबादला किया जाएगा। ऑनलाइन तबादले के लिए 31 जनवरी 2026 तक खाली पदों की सूचना निदेशालय की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। इस प्रक्रिया को ऑनलाइन करते हुए तबादला आदेश जारी किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

हाइटेंशन पोल पर चढ़ा संविदा बिजली कर्मी करंट से नीचे गिरा

लखनऊ, (संवाददाता)। इटौंजा उपकेंद्र के विश्वबैंक फीडर पर भिखारीपुर कोल्ड स्टोरेज के पास लाइन खोलने के दौरान बिजली संविदा कर्मी हाइटेंशन करंट की चपेट में आ गया। करंट लगने से वह नीचे गिरा। साथियों ने बीकेटी के राम सागर मिश्र हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया बीकेटी के धरौरा निवासी 35 वर्षीय गौरव इटौंजा उपकेंद्र पर अकुशल बिजली संविदा कर्मी तैनात है। घटना बहस्पतिवार सुबह लगभग नौ बजे की जब वह बिना सुरक्षा उपकरणों के लाइन खोलने हाईटेंशन बिजली के पोल पर चढ़ा था। लेकिन इसमें करंट आने की वजह से उसके हाथ झुलस गए। गौरव ने रस्सी का सहारा लिया लेकिन कुछ ही पल में वह नीचे आ गिरा जहां उसकी मौत हो गई ।

बारिश और जलभराव के चलते शहर के निजी स्कूल बंद

लखनऊ, (संवाददाता)। बुधवार की देर रात हुई भारी बारिश के चहते लखनऊ शहर के स्कूलों को बंद कर दिया गया। सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में पहले ही 14 अगस्त को चेहल्लुम का अवकाश घोषित है। लखनऊ जिलाधिकारी विशाख जी द्वारा जारी आदेश में एक से लेकर 12वीं तक के सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया है। यह आदेश सभी प्रकार के बोर्ड पर लागू करने की बात कही है। मौसम विभाग का कहना है कि बृहस्पतिवार से मानसूनी बारिश पश्चिमी यूपी का रुख करेगी। पश्चिमी यूपी के सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर और बिजनौर में बृहस्पतिवार के लिए भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 19 अन्य जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। साथ ही 36 जिलों में गरज–चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी है। बुधवार को तराई के महाराजगंज, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर व आसपास के इलाकों में कहीं मध्यम तो कहीं भारी बारिश हुई। सिद्धार्थ नगर में सर्वाधिक 77 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र अमौसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि बुधवार पूर्वी यूपी और तराई में बारिश के बाद पश्चिमी यूपी में 14 व 15 अगस्त को अच्छी बारिश के संकेत हैं।

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इं अनिल कुमार यादव
सहायक अभियंता यांत्रिक
सिंचाई विभाग
वाराणसी

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इं कन्हैया लाल
सहायक अभियंता,यांत्रिक
सिंचाई विभाग
जौनपुर

सभी देश एवं प्रदेश तथा अयोध्या वासियों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अयोध्या इंटीरियर
DREAM COME TRUE HERE
होलसेलर विक्रेता
पी.वी.सी पैनल,
डब्लू. पी.सी लोवर्स,
डब्लू. पी.सी फ्लुटेड पैनल,
वॉलपेपर
यू.वी. मार्बल शीट, आर्टिफिशियल ग्रास
MOB. 9935350353, 7275373101
आई टी आई के ठीक सामने यूनिक पब्लिक स्कूल के बगल गली में महावीर पुरम

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इं अरुण सिंह राणा
अधिशासी अभियन्ता
सिंचाई विभाग
जौनपुर
उत्तर प्रदेश

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

ई. सुधीर कुमार सिंह
सहायक अभियंता यांत्रिक
सिंचाई विभाग
वाराणसी

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

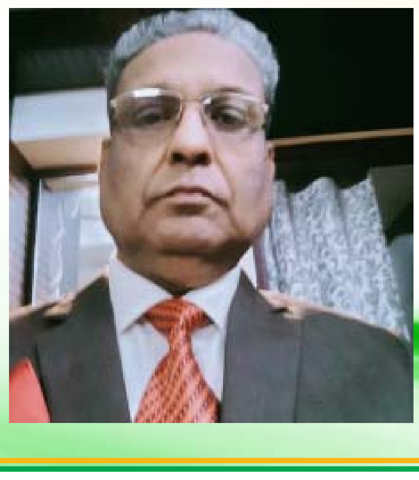

मेसर्स अगवाल एंटरप्राइजेज
वाराणसी, उत्तर प्रदेश
प्रथम श्रेणी, कान्टेक्टर

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इंजीनियर
जय प्रकाश
सहायक अभियंता,यांत्रिक
सिंचाई विभाग
वाराणसी

समस्त देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

विजय सिंह
मेसर्स वी. के. कंस्ट्रक्शन
सुल्तानपुर,
उत्तर प्रदेश

महिलाओं ने धूम धाम से किया ललही छठ माता का पूजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर जिले में ललही छठ का पर्व आस्था के साथ मनाया गया। शहर से लेकर गांव के अनेक

स्थानों पर महिलाओं पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजन किया और दही तथा महुआ के साथ अन्य फल आदि प्रसाद में चढ़ाया और संतान की लम्बी आयु के लिए व्रत रखा। सबसे खास बात ये है कि व्रत सिर्फ वही माँ कर सकती हैं जिनके पुत्र होता है ज्ञात हो कि भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की षष्ठी को ललही छठ व्रत का त्योहार मनाया जाता है. ललही छठ को हल षष्ठी या हल छठ भी कहा जाता है. दरअसल, इसे बलराम के जन्मदिन के उपलक्ष में मनाया जाता है. भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से ठीक दो दिन पूर्व उनके बड़े भाई बलराम जी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। भगवान कृष्ण के बड़े भाई बलराम का जन्म भादों मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी को हुआ था. इसलिए इस दिन को बलराम जयंती भी कहा जाता है. बलराम को बलदेव, बलभद्र और बलदाऊ के नाम से भी जाना जाता है. बलराम को शेषनाग का अवतार माना जाता है. बलराम को हल और मूसल से खास प्रेम था, यही उनके प्रमुख अस्त्र भी थे. इसलिए इसदिन किसान हल, मूसल और बैल की पूजा करते हैं. इसे किसानों के त्योहार के रूप में भी देखा जाता है । बेटे की लंबी आयु के लिए माँ इस दिन व्रत रखती हैं. वह अनाज नहीं खाती हैं. इस दिन व्रत रखने वाली माताएं महुआ की दातुन करती हैं. । इस दिन तालाब में उगे अनाज जैसे कि तिन्नी या पसही के चावल खाकर व्रत रखा जाता है. गाय का दूध और दही का इस्तेमाल भी इस व्रत में वर्जित होता है. भैंस का दूध, दही और घी का प्रयोग किया जाता है । इस व्रत की पूजा हेतु गोबर से पूजा घर में दीवार पर हर छठ माता का चित्र बनाया जाता है. गणेश और माता गौरा की पूजा की जाती है. कई जगहों पर महिलाएं तालाब के किनारे या घर में ही तालाब बनाकर, उसमें झरबेरी, पलाश और कांसी के पेड़ लगाती हैं. इस तालाब के चारों ओर आसपास की महिलाएं विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर हल षष्ठी की कथा सुनती हैं।

पत्रकारों ने ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा निकालकर दिया देशभक्ति का संदेश

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। गुरुवार को शहर मे 14 किलोमीटर लंबी ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।इस यात्रा में जिले के सैकड़ों पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लिए जब पत्रकारों का कारवां निकला, तो पूरे शहर में देशभक्ति की लहर दौड़ गई।देशभक्ति के गीतों की गूंज और जय श्री राम के नारों से माहौल गूंज उठा।तिरंगा यात्रा का शुभारंभ सहादतगंज चौराहे से आईजी प्रवीण कुमार ने हाथ में तिरंगा लेकर किया।इसके पश्चात यात्रा रिकाबगंज चौक, गुदड़ी बाजार चौराहा, बेनीगंज, टेढ़ी बाजार होते हुए श्रीराम जन्मभूमि परिसर पहुंची, जहां पत्रकारों ने तिरंगे को श्रीराम मंदिर के समक्ष नमन कर जय श्री राम के उद्घोष के साथ अपनी आस्था और देशप्रेम का परिचय दिया। यात्रा का समापन लता चौक पर हुआ।यात्रा में आगे डीजे वाहन चल रहा था, जिसमें देशभक्ति के गीत बज रहे थे–ए वतन वतन मेरे आबाद रहे तू.., ऐ आन तिरंगा है–मेरी जान तिरंगा है– जैसे गीतों ने माहौल को भावुक और ऊर्जावान बना दिया। शहरवासियों ने जगह–जगह पुष्प वर्षा कर तिरंगा यात्रा का भव्य स्वागत किया। बच्चों, महिलाओं, व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक इस आयोजन में सहभागिता निभाई।पत्रकारों ने इस यात्रा के माध्यम से वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण का संकल्प लिया। पत्रकारों ने कहा कि तिरंगा सिर्फ एक झंडा नहीं, बल्कि हमारे स्वाभिमान, बलिदान और गौरव का प्रतीक है।श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के सामने तिरंगे का भव्य स्वागत किया गया जनपद में यह तिरंगा यात्रा न केवल पत्रकारिता की सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाती है, बल्कि यह भी सिद्ध करती है कि राष्ट्रप्रेम केवल शब्दों तक सीमित नहीं, बल्कि कर्मों से भी प्रदर्शित किया जाता है।इस यात्रा में जनपद के पत्रकारों में बीएस लाठी, राघवेंद्र शुक्ला, केबी शुक्ला, समीर शाही, नरेंद्र मिश्रा, आशुतोष पाठक, आकाश गुप्ता,प्रशांत शुक्ला, संजय आजाद, अपूर्व पाठक, निमिष गोस्वामी, सर्वेश श्रीवास्तव, आनंद वेदांत त्रिपाठी, आशु लाला, मनोज मिश्रा, नवनीत कौशल, सुमित यादव, अनिल निषाद, आरपी वैद जी,आकाश सोनी, राजेंद्र दुबे, अखंड सिंह, प्रवेश पाण्डेय, ऋषि गुप्ता, अभिषेक श्रीवास्तव, सीएम श्रीवास्तव, वासुदेव यादव, अभिषेक पांडे, मयंक शुक्ला, अनूप जायसवाल, रूपेश श्रीवास्तव, कमला कांत सुंदरम, राम बाबू गुप्ता, अमित, अजय, सुशील पांडे, सुजीत, मयंक श्रीवास्तव, नौशाद आलम, अज्जू श्रीवास्तव, विशाल श्रीवास्तव, मोनू आजम, सुबह सिंह, मो हसन, क्षितिज, बृजेश, अंकुर पांडे, महताब खान, सौरभ श्रीवास्तव ,प्रमोद पांडे, रमेश मिश्रा, रवि, संजय यादव, अंकित अग्रवाल, भानु प्रताप सिंह, , कुमकुम भाग्य, कवल जीत, गुलजार, महताब खान, जसीम खान, तुफैल, बमबम यादव, अभिनव सिंह,रिशु, संदीप श्रीवास्तव, शंकर, सुबोध श्रीवास्तव,प्रशांत सहित कई पत्रकार मौजूद रहे।

'पात्रों का वृद्धावस्था, निराश्रित महिला व दिव्यांग पेंशन हेतु पंजीकरण कराया गया–जिलाधिकारी'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' गुरुवार को कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की शिकायतों को सुना। जन सुनवाई के दौरान कुल 54 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनके त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। पात्रों का वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन व दिव्यांग पेंशन हेतु पंजीकरण कराया गया। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के मौके पर ही आयुष्मान कार्ड बनवाये गए।

जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि अंश निर्धारण व पैमाइश के प्रकरणों में देरी न की जाये। भूमि विवाद के स्थायी समाधान के लिए थाकबंदी के प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कराया जाये। चकरोड पर कब्जे की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाये। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में उप जिलाधिकारी लगातार स्थिति पर नजर रखें। उन्होंने कहा कि बाढ़ से प्रभावित लोगों को यथा संभव सहायता पहुँचायी जाये। जन सुनवाई के दौरान श्रद्धा व शिवांश नाम के दो बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ दिलाया गया। यादवेन्द्र नाम के एक दिव्यांग युवक को मौके पर ही दिव्यांग पेंशन हेतु पंजीकरण कराया गया। जन सुनवाई के दौरान उप जिलाधिकारी गरिमा सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक वेद गुप्ता ने डीजीपी से मुलाकात कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर किया चर्चा

अयोध्या।विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने लखनऊ में प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण से भेंट की। मुलाकात के बाद विधायक गुप्ता ने बताया कि अयोध्या की कानून–व्यवस्था, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि अयोध्या अब राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र बन चुका है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु व पर्यटक आते हैं। ऐसे में मजबूत और सतत सुरक्षा व्यवस्था बेहद जरूरी है।विधायक गुप्ता के अनुसार, उन्होंने विशेष अवसरों धार्मिक उत्सव, पर्व और भीड़–भाड़ वाले आयोजनों के दौरान लगाए जाने वाले यातायात प्रतिबंधों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के लिए ये प्रतिबंध जरूरी हैं, लेकिन इसके साथ ही स्थानीय नागरिकों की दैनिक दिनचर्या पर पड़ने वाले असर को भी कम करना चाहिए। कहा कि सुरक्षा और सुविधा का संतुलन बनाए रखना ही हमारी प्राथमिकता है।बताया कि उन्होंने डीजीपी से अयोध्या में यातायात योजना को इस तरह तैयार करने का आग्रह किया, जिससे तीर्थयात्रियों को मंदिर दर्शन में आसानी हो और शहरवासियों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने महत्वपूर्ण स्थलों और मार्गों पर बेहतर यातायात संकेत, वैकल्पिक मार्ग और पार्किंग सुविधाएं बढ़ाने का भी सुझाव दिया।मुलाकात के बाद विधायक ने जानकारी दी कि डीजीपी राजीव कृष्ण ने उनके सुझावों को सकारात्मक रूप से लिया और भरोसा दिलाया कि कानून–व्यवस्था को और मजबूत करने, सुरक्षा इंतजामों को सुदृढ़ बनाने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे

आरपीएफ व जीआरपी ने चलाया संयुक्त चेकिंग अभियान

अयोध्या। गुरुवार को स्वतंत्रता दिवस व श्री कृष्ण जन्माष्टमी के चलते अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था के चकचौकस उपाय किए गए हैं।किसी कड़ी में प्रभारी निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल अयोध्या कैंट हरीश कुमार शाही ने प्रभारी निरीक्षक जीआरपी अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन समर बहादुर सिंह ने सुरक्षा कर्मियों के साथ पैदल गस्त किया। इस दौरान इन दोनों अधिकारियों ने अयोध्या कैंट स्टेशन से गुजरने वाली गाड़ियों के अंदर भी जाकर निरीक्षण किया। इसके अलावा सभी प्लेटफॉर्मों, प्रतीक्षालय,पीआरएस,सर्कुलेटिंग एरिया, रेलवे पार्किंग स्टैंड इत्यादि में सघन चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग अभियान के दौरान उन्होंने रेल यात्रियों से कहा कि अगर आप सभी को स्टेशन परिसर के साथ–साथ ट्रेन में कोई संदिग्ध अवस्था में वस्तु या व्यक्ति दिखाई दे तो उसकी सूचना राजकीय रेलवे पुलिस बल रेलवे सुरक्षा बल को दें। जिस समय रहते किसी भी अप्रिय घटना से निपटा जा सके।

जनपद में हर घर तिरंगा कार्यक्रम धूमधाम से उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जनपद में हर घर तिरंगा कार्यक्रम धूमधाम से उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत समस्त तहसीलों विकास खण्डों, ग्राम पंचायतों में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। आज कलेक्ट्रेट परिसर से कलेक्ट्रेट अधिवक्ता के समिति के द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गयी, जिसमें जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट,

कलेक्ट्रेट बार संघ के अध्यक्ष घनश्याम सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों ने तिरंगा यात्रा निकाली। इस दौरान अधिवक्तागणों ने राष्ट्रीय ध्वज हाथों में लेकर देश भक्ति के नारे लगाये। इस दौरान सभी के द्वारा राष्ट्रगान भी गाया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि अत्यंत हर्ष का विषय है कि जनपद में सभी लोग हर घर तिरंगा कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक जुड़ रहे है। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी मछलीशहर सौरभ कुमार की अध्यक्षता में तिरंगा रैली निकाली गई जिसमें तहसील और नगर पंचायत द्वारा संयुक्त रूप से सहभागिता किया गया। उक्त रैली में उपजिलाधिकारी न्यायिक मछलीशहर, तहसीलदार मछलीशहर, अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत मछलीशहर के साथ–साथ तहसील और नगर पंचायत के समस्त कर्मचारीगण सहित आमजनमानस उपस्थित हुए। इसी क्रम में जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, मा0 ब्लाक प्रमुख रामपुर राहुल सिंह, उपजिलाधिकारी मड़ियाहूं, ग्राम प्रधान, थाना रामपुर की पुलिस बल एवं विकास खंड रामपुर के शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा एवं विद्यालय के बच्चों की उपस्थिति में भव्य तिरंगा रैली का आयोजन वाल्थर डिग्री कॉलेज से विकास खंड मुख्यालय तक किया गया।

धर्म के नाम पर पाखंड, अंधविश्वास स्वीकार्य नहीं–महंत एकनाथ महाराज

बस्ती, (संवाददाता)। तपस्वी छावनी के जगदगुरु परमहंसाचार्य के उत्तराधिकारी ओजस्वी फाउंडेशन के अध्यक्ष राजर्षि महंत एकनाथ महाराज ने बनकटी में एक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म में बढ़ते अंधविश्वास, पाखंड और धर्म के नाम पर होने वाले शोषण को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।उन्होंने कहा कि वैदिक सनातन धर्म अनादि काल से संपूर्ण धरती पर विद्यमान रहा है, लेकिन समय के साथ इसमें विकृति आई। पहले वैदिक मंत्रों और यज्ञों से पूजा–पाठ की परंपरा थी, किंतु धीरे–धीरे तंत्र–मंत्र साधना, पाखंड और अंधविश्वास ने इसकी जगह ले ली। पूजा–पद्धति बदली, पाखंड बढ़ा और लोगों की विचारधारा बदलती गई, जिससे धर्म में बिखराव आया।उन्होंने कहा कि इतिहास में कई लोग अपनी पहचान और धर्म बदलते रहे, कोई अवधि बना, कोई सही मार्ग पर आया, कोई अलग सम्प्रदाय में चला गया, यहां तक कि कुछ मुसलमान भी बन गए। आज विज्ञान के युग में भी अंधविश्वास खत्म नहीं हो सका है।महंत एकनाथ महाराज ने कहा कि सनातन धर्म के टूटने के पीछे पशु बलि और नरबलि जैसी कुप्रथाएं भी बड़ी वजह थीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्ची निकालने और भविष्यवाणी करने वाले बाबाओं की भरमार हो गई है। जैसे बाबा बागेश्वर धाम,अवध सरकार दिव्य धाम योगिनी पीठाधीश्वर अवधेश शास्त्री आदि जगहों के उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि 2019 में 'पर्ची वाला बाबा' उभरा, जिसने अपना नाम 'बागेश्वर' रखा, और उसके बाद एक–एक कर कई बाबा "लॉन्च" होते गए,कोई शिवाला बाबा बना, तो कोई और नाम से सामने आया।उन्होंने आरोप लगाया कि ये स्वयंभू बाबा धर्म के नाम पर जनता को गुमराह कर करोड़ों की माया लूट रहे हैं। "कल का बाबा खाने को मोहताज होता है, लेकिन कुछ सालों में ही दुकान खोलकर धर्म की आड़ में लोगों को उल्लू बनाता है। फिर अपनी दुखभरी कहानी सुनाकर सहानुभूति बटोरता है, जबकि असल में वह शोषण कर रहा होता है।

विभाजन विभिषिका दिवस पर सर्किट हाउस में हुई संगोष्ठी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।सर्किट हाउस में बुधवार को विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद व प्रदेश महामंत्री अमर पाल मौर्या ने कहा, "विभाजन केवल भूगोल का बंटवारा नहीं था, यह करोड़ों लोगों के दिलों और घरों पर पड़ा गहरा घाव था। उस त्रासदी में लाखों निर्दोषों ने अपनी जान गंवाई और करोड़ों को अपने घर–आंगन छोड़ने पड़े। हमें यह दिन न केवल उन शहीदों की याद दिलाता है, बल्कि यह भी सिखाता है कि देश की एकता और अखंडता के लिए हमें सदैव सतर्क रहना होगा।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 14 अगस्त को पूरे देश में विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस मनाया जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को उस दर्दनाक इतिहास से अवगत कराया जा सके। कांग्रेस ने विभाजन के दौरान हुई त्रासदी के इतिहास को देश की जनता से छुपाए रखा। कहा कि वह संस्कृति समाप्त हो जाती है जिसे अपने इतिहास के बारे में जानकारी नही होती। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इतिहास के इन पन्नों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित में कार्य करें और देश को मजबूत बनाने में योगदान दें।कार्यक्रम में वक्ताओं ने विभाजन के समय हुई जनहानि, विस्थापन और मानवीय त्रासदी पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी की प्रस्तावना महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने रखी व समापन जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने किया। इस दौरान विभाजन विभिषिका से पीड़ित सिंधी समाज के लोगों का अभिनंदन किया गया।इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, जिला प्रभारी मिथिलेश त्रिपाठी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शक्ति सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पाण्डेय बादल, ओम प्रकाश सिंह सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'अपर जिलाधिकारी ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' गुरुवार को तहसील बिलग्राम में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रियंका सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान एडीएम ने बाढ़ शरणालय उच्च प्राथमिक विद्यालय इशरापुर, म्यौरा पशु चिकित्सक शिविर और आर0 एन0 इण्टर कालेज मढ़िया जाफरपुर (बाढ़ शरणालय) की व्यवस्था को देखा, तथा कटरी छिबरामऊ और ग्राम घासीराम पुरवा में बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों को राशन किट का वितरण किया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, जौनपुर, उत्तर प्रदेश

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 के शुभ अवसर पर नगर पालिका परिषद, जौनपुर परिवार की ओर से जौनपुर के नगर वासियों को हार्दिक बधाई , एवं पालिका नगर वासियों से निम्नलिखित अपील करती है–

1. गृहकर, जलकर एवं जलमूल्य का भुगतान 31 मार्च 2026 से पहले पालिका को करते हुए छूट का लाभ उठाएं।
2. दुकानों ,होटलों, रेस्टोरेन्ट नार्सिग होम, हास्पिटल पर देय किराया व लाईसेंस शुल्क की अदायगी समय से पालिका में करें।
3.अपने–अपने घरों से निकलने वाले दैनिक कूड़ो को समय से निर्धारित स्थल व कूड़ेदान में फेंके, इधर–उधर तितर–वितर न करें। झाड़ू लगने के पश्चात कूड़ा व कचरा कदापि सड़कों व पटरियों पर न फेंके अपने अपने दुकानों व प्रतिष्ठानों के सामने कूड़ादान अवश्य रखें।
4.सड़क, पटरियो नालियों नालों पर किसी प्रकार का स्थायी अस्थायी अतिक्रमण न करें।
5.पर्यावरण को स्वच्छ बनाने हेतु अधिक से अधिक वृक्ष लगाये।
6.जन्म–मृत्यु का पंजीकरण 21 दिवस के भीतर नगर पालिका में अवश्य कराये।
7.अपने घरों के पेयजल नल की टोटी को खुला न छोडकर पेयजल का अपव्यय ना करें। खुली टोटी पाये जाने व जल का अपव्यय करने हेतु पाये जाने पर नियमानुसार सम्बन्धित के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।
8.नगर में लगे स्ट्रीट लाईट व विद्युत उपकरणों को क्षति व नुकसान से बचाएं।
9.प्रतिबन्धित पॉलिथिन, थर्माकोल, दोहरा, चायनीज मंझा का उपयोग वर्जित है. इसका उपयोग कदापि न करे, यह गंभीर अपराध है, पकडे जाने पर जुर्माना भरना पड़ेगा।
10. देय करों गृहकर एवं जलकर का भुगतान समय से करें तथा आनलाईन करें।
11.डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन में नगर पालिका कर्मियों का सहयोग करें।
12– शौचालय का प्रयोग करे। खुले में शौच कयापि न करें, इससे बीमारी फैलती है।

अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, जौनपुर, उत्तर प्रदेश

समस्त माननीय सभासद नगर पालिका परिषद, जौनपुर।

(मनोरमा मौर्या) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर

आर.ओ. पत्रांक सख्या–770 / तीन–सामा० / 2025–20 / दिनांक 13 अगस्त, 2025

विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी ने विधानसभा में उठाया आयुष्मान भारत, गन्ना भुगतान, पंचायत विकास का मुद्दा

बस्ती, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के विधायक राजेंद्र प्रसाद चौधरी ने तारांकित प्रश्नों के द्वारा आयुष्मान भारत योजना, ग्राम पंचायतों में विकास कार्य, मुख्यमंत्री राहत कोष से इलाज भुगतान में देरी, बकाया गन्ना भुगतान, मानदेय कर्मियों की स्थिति, जर्जर सड़कों की मरम्मत और सिंचाई व्यवस्था जैसे कई विषयों पर सवाल पूंछे थे जिसका सम्बंधित मंत्रियों ने उत्तर दिया। आयुष्मान भारत योजना पर सवाल उठाते हुए विधायक चौधरी ने कहा कि जब भाजपा का शीर्ष नेतृत्व यह दावा करता है कि देश के 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है, जिसमें उत्तर प्रदेश के लगभग 14 करोड़ गरीब राशनकार्ड धारक शामिल हैं, तो पूरे प्रदेश में अभी तक केवल 5 करोड़ 35 लाख ही आयुष्मान कार्ड धारक क्यों हैं? क्या सरकार सभी 14 करोड़ गरीब राशनकार्ड धारकों को स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए आयुष्मान भारत कार्ड बनाएगी?उन्होंने मुख्यमंत्री राहत कोष से इलाज भुगतान में हो रही देरी का मुद्दा भी उठाया। विधायक ने कहा कि पात्र मरीज पिछले दो महीनों से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार समयबद्ध इलाज के लिए कोई ठोस योजना नहीं बना रही। इस सवाल का जवाब देने के बजाय स्वास्थ्य मंत्री ने मामला अगले सत्र तक टाल दिया। ग्राम पंचायत विकास के संदर्भ में विधायक चौधरी ने पंचायती राज मंत्री से पूछा कि जिला पंचायत और क्षेत्र पंचायत सदस्यों को मानदेय और वित्तीय अधिकार न होने से उनके क्षेत्र का विकास रुक जाता है। क्या सरकार इन्हें मानदेय और वित्तीय अधिकार देने पर विचार करेगी? जवाब में मंत्री ने केवल बैठक भत्ता (जिला पंचायत सदस्यों को ₹1500 प्रति बैठक, क्षेत्र पंचायत सदस्यों को निर्धारित भत्ता) का उल्लेख किया और मानदेय बढ़ाने से इंकार कर दिया। इसके साथ ही विधायक श्री चौधरी ने प्रदेश में कार्यरत आशा संगिनी, आशा बहुओं सहित सभी मानदेय कर्मियों के वेतन व प्रोत्साहन राशि में बढ़ोतरी और राज्यकर्मियों जैसी सुविधाएं देने की मांग रखी। अपने विधानसभा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों में उन्होंने जर्जर सड़कों की मरम्मत, सड़कों से न जुड़े गांवों को जोड़ने, सरयू नहर परियोजना की शाखाओं और माइनरों के गैप भरने, किसानों की सिंचाई व्यवस्था सुधारने जैसे प्रस्ताव रखे।रूधौली विधायक प्रतिनिधि कुलदीप मौर्य ने यह जानकारी देते हुये बताया कि विधायक राजेंद्र प्रसाद चौधरी ने कहा है कि जनहित के मुद्दों को लेकर गांव से लेकर सदन तक संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।